



2026: AHC : 28452

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - सी संख्या - 695 वर्ष 2026

अशोक कुमार एवं अन्य

.....याचीगण

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 6 अन्य

.....प्रतिवादीगण

याची हेतु अधिवक्ता

: धनंजय कुमार मिश्रा, शरद कुमार

प्रतिवादी हेतु अधिवक्ता

: मुख्य स्थायी अधिवक्ता

न्यायालय संख्या - 6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया

1. याचियों के विद्वान अधिवक्ता को सुना गया तथा रिकॉर्ड का अवलोकन किया गया।
2. यहाँ प्रस्तावित आदेश के दृष्टिगत, प्रतिवादी/प्रतिवादियों को नोटिस जारी करने और इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने का कोई उपयोगी उद्देश्य सिद्ध नहीं होगा। हालांकि, यदि प्रतिवादी/प्रतिवादी इस आदेश से व्यथित महसूस करते हैं, तो आदेश में संशोधन/परिवर्तन चाहने का उनका अधिकार सुरक्षित रखा जा रहा है।
3. वर्तमान याचिका में याचियों द्वारा मांगी गई मूल राहत प्रतिवादी संख्या 2 को वाद संख्या D201815060000366/2019 में दायर रिकॉल आवेदन दिनांक 06.08.2022 को शीघ्रता से निस्तारित करने का निर्देश देना है।
4. याची के अधिवक्ता द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यद्यपि काफी समय पहले ही बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

अस्वीकरण:- अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।



5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों में, वर्तमान याचिका को प्रतिवादी संख्या 2-उप जिलाधिकारी (न्यायिक), सगड़ी, जिला-आजमगढ़ को उपरोक्त आवेदन को कानून के अनुसार कड़ाई से, अत्यंत शीघ्रता से और अधिमानतः तीन महीने की अवधि के भीतर तय करने का निर्देश देते हुए निस्तारित किया जाता है, परंतु बिना किसी अनावश्यक स्थगन के, जब तक कि कोई कानूनी बाधा न हो।

09 फरवरी, 2026

प्रमोद त्रिपाठी

(न्यायमूर्ति प्रकाश पाड़िया)

अस्वीकरण:-अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।